कौशल भारत ने लॉन्च किया नया अभियान 'फ़र्क दिख रहा है'

हर साल 1 करोड़ से अधिक युवा कौशल भारत मिशन के साथ जुड़कर अपने जीवन में बदलाव ला रहे हैं

- *नया विज्ञापन बताता है कि किस तरह 'कौशल भारत' लोगों को आजीविका के अवसर प्रदान कर रहा है*
- *विज्ञापन कौशल भारत की विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना PMKVY, नेशनल एप्रेन्टिसशिप ट्रेनिंग (NAPS) और ओद्यौगिक प्रशिक्षण संस्थानों (ITIs) पर डालता है रोशनी*

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 2018: भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के तत्वावधान में कौशल भारत मिशन ने एक मास मीडिया अभियान *'फ़र्क दिख रहा है'* का उद्घाटन किया। कौशल भारत के तहत विभिन्न पहलों जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY), नेशनल एप्रेन्टिसशिप प्रोमोशन स्कीम (NAPS) तथा ओद्यौगिक प्रशिक्षण संस्थानों (ITIs) के बारे में जागरुकता बढ़ाना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। 15 जुलाई 2015 को कौशल भारत मिशन के लॉन्च के बाद से हर साल 1 करोड़ से अधिक लोग इससे लाभान्वित हुए हैं और बेहतर आजीविका कमा कर अपने जीवन में बदलाव ला सके हैं।

इस विज्ञापन में तीन एड फिल्म्स की एक सीरीज़ शामिल है, जिसे अग्रणी एडवरटाइज़िंग एजेन्सी मैक कैन द्वारा राष्ट्रीय कौशल विकास निगम तथा एमएसडीई के सहयोग से तैयार किया गया है।

इस लॉन्च पर बात करते हुए **श्री राजेश अग्रवाल, संयुक्त सचिव एवं सीवीओ, एमएसडीई ने कहा,** *''कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के सक्षम नेतृत्व में 'कौशल भारत' लगातार प्रगति कर रहा है और भारत को 'मानव संसाधनों की दृष्टि से दुनिया की राजधानी में बदलने' हेतू निरंतर प्रयासरत है। पिछले तीन सालों में, कई कौशल विकास पहलों और नीतिगत बदलावों ने भारतीय युवाओं को कौशल प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन युवाओं को आज़ के बाज़ार की ज़रूरतों के अनुसार आधुनिक कौशल प्रदान कर नौकरियों के लिए तैयार किया गया है। इस अभियान के माध्यम से हम युवाओं को प्रेरित करना चाहते हैं कि अपनी पसंद के क्षेत्र में कौशल प्राप्त कर नव–भारत के निर्माण में योगदान दें।''*

इस अभियान पर बात करते हुए **श्री मनीष कुमर, एमडी एवं सीईओ, एनएसडीसी ने कहा,** *''एनएसडीसी ने एमएसडीई एवं अन्य हितधारकों के सहयोग से सुनिश्चित किया है कि भारतीय युवाओं को सही कौशल दिया जाए, ताकि वे बेहतर आजीविका कमा सकें। 'फ़र्क दिख रहा है' अभियान के माध्यम से हम लोगों को कौशल प्रशिक्षण का महत्व समझाना चाहते हैं। उन्हें बताना चाहते हैं कि सही प्रशिक्षण किस तरह सामाजिक–आर्थिक स्तर पर सकारात्मक बदलाव ला रहा है। हमें विश्वास है कि इस अभियान के माध्यम से भारत में व्यवसायिक प्रशिक्षण के बारे में जागरुकता बढ़ा सकेंगे।''*

अभियान पर अपने विचार अभिव्यक्त करते हुए श्री प्रसून जोशी, चेयरमैन, मैककेन वर्ल्डग्रुप, एशिया पेसिफिक एवं सीईओ, सीसीओ मैक केन वर्ल्ड ग्रुप, भारत ने कहा, *''यह अभियान स्पष्ट रूप से भारत में कौशल विकास के प्रति बदलते दृष्टिकोण पर रोशनी डालता है। यह देश के युवाओं को प्रेरित करता है कि अपनी प्रतिभा में भरोसा रखें। कौशल भारत प्रोग्राम की विभिन्न योजनाओं से लाभ उठाकर वे अपनी प्रतिभा को सही राह दे सकते हैं और अपने भविष्य को उज्जवल बना सकते हैं।''*

विज्ञापन के लिए लिंक:

PMKVY - https://youtu.be/r4TAxo-mqbA

NAPS - https://youtu.be/q7CDtfoJdoo

ITI - https://youtu.be/1kJ0bsDEJ8g

एमएसडीई वर्तमान में कई पहलों का प्रबंधन करता है, इनमें प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, NAPS, ITIs प्रधानमंत्री कौशल केन्द्र, रिकॉग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग, प्रधानमंत्री युवा योजना शामिल हैं। निकट भविष्य में कौशल भारत की योजनाओं के लिए इस तरह के अन्य अभियान भी लॉन्च किए जाएंगे। तीन प्रोग्रामों का संक्षिप्त विवरण कुछ इस तरह है:

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY): यह कौशल भारत मिशन के तहत मुख्य योजना है जो 40 से अधिक कारोबारों/ क्षेत्रों में शिक्षित/ अशिक्षित युवाओं को 3–6 महीने के पाठ्यक्रम द्वारा रोज़गार कौशल देती है। जुलाई 2016 में अपने लॉन्च के बाद से यह 40 लाख युवाओं को लाभान्वित कर चुकी है, 9 लाख से अधिक युवाओं को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में उनके पूर्व अनुभव के आधार पर रिकॉग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग के तहत प्रमाणपत्र भी दिए गए हैं। इस योजना के तहत 2020 तक एक करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य तय किया गया है।

ओद्यौगिक प्रशिक्षण संस्थान या आईटीआई: 1950 से भारतीय उद्योगों को कुशल कार्यबल की आपूर्ति कर रहे हैं। 8वीं से 12वीं पास छात्रों को ये संस्थान 130 से अधिक क्षेत्रों/ कारोबारों में डिप्लोमा देते हैं। 2014 में एमएसडीई के साथ जुड़ने के बाद आईटीआई की संख्या में 32 फीसदी तथा इन संस्थानों में उपलब्ध सीटों में 54 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। कौशल भारत मिशन के तहत कई पहलें की गई हैं जैसे सेल्फ–ग्रेडिंग सिस्टम जो देश के आईटीआई की गुणवत्ता में सुधार लाते हैं और उनके बुनियादी ढांचे को अपग्रेड करते हैं। वर्तमान में इन संस्थानों में आधुनिक कौशल जैसे AR/VR, IoT, क्लाउड कम्प्यूटिंग को शामिल करने पर ध्यान दिया जा रहा है, ताकि हमारे युवाओं को आधुनिक तकनीकी कौशल दिया जा सके।

एनएपीएस– नेशनल एप्रेन्टिसशिप प्रोमोशन योजना अपनी तरह की अनूठी पहल है जो विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं को ऑन–द–जाब प्रशिक्षण देती है। इस योजना के तहत सरकार उम्मीदवारों के खर्च में 25 फीसदी तथा मूल प्रशिक्षण की लागत में रु 7500 तक का योगदान देती है। अगस्त 2016 में अपने लॉन्च के बाद से 4 लाख से अधिक उम्मीदवार इस प्रोग्राम से लाभान्वित हो चुके हैं। हम वित्तीय वर्ष 18–19 में इस पहल के ज़रिए 10 लाख उम्मीदवारों को सशक्त बनाना चाहते हैं।

For more information on Skill Development, please follow the links below:

Facebook: www.facebook.com/SkillIndiaOfficial; Twitter: @MSDESkillIndia;
YouTube: www.youtube.com/MSDESkillIndia; Website: www.nsdcindia.org